(कामिट अल्डिट्रिश्नकीय Garal प्रतंत्र)

क्रि स्न्याभान जात्ना चित्र शाक्षा विश्व

(ध) लानका विश्व

গ্রি) এক্সরে .

Ans: (ग) उपान्याय वानि ।

च्यान्त्राः क्याप्ता नकार लाहेट ध्रिश्ये छं करा त्रभीयात कार्या, शाया वार्या, नकार्य क्या वर्णाया वार्णाय वार्णा । न्यर्डे ठ्यां प्राप्त किल्लिक्षिश्चे छ उत्तर अंग '

(त) आध्वक्यमीय कहिर किय यात्री (ध्रिवक क्रिय द्रावर उत्ते क्रां उत् कारं ठाउँ ।

(क) विकारी -म्यावार्ष

ह्य) द्वायत द्वाम् भाषिल्यम

(त) शर्या

(व) व्यायमधारेत .

Ans: (21) (10372 क्रांक श्रीका (राम ,

योगितः द्वेशस द्वाष्ट्रं भ्रेमितियम् १८९४ स्प्रीय प्रज्ञास्त्रीर प्राकृत भवंग भवार नव त्वांव वांबीसम्प्रक् नम्मामम (ब्राक्ष समा करिंध (म अधिक्युम) म लाहा (मान याद्वात - (धुमेक (मानत्र वर्ते रहं)

(प्रेटा रिट में केंट्रे हिंद्ध कुंब प्राध्या विवा कल्झन)

ক্তি ২ জ্ঞান রুদ্দি

(খ) ৪ গ্ৰেশ হদি

(9) 287 374

(a) 8 37 37V

Fill Maddente Bernsel.

Ans: (8) 8 959 3/27.

काम्मेरः ल्यामित्रभूमां - विष्येत श्रीवत देकत्रिव प्रदेश बाह्यां बाह्यतेनास्य 3164 BER 210, trainer (18) (marigue) , principeza

EXT

- स्माः (श) उद्धायताः (छ) क्यार्यमुद्धार्य हो) च्यान् (छ) न्यान् (छ) च्यान् (छ
- (i) मभवर्ष रहिटानस
- Фили कंगे ग्रोहं भ प्राह्मां (स्थ्या श्री श्री प्राह्में व्हें व्हें प्राह्में व्हें व्हें
- प्राधारमाध चाकरामं क्ष्यका प्राप्त । क्ष्यका चावरक रठा। (प्राधारमाध चाकरामं क्ष्यका प्राप्त निवान क्ष्यमं प्राप्त क्ष्यक्ष प्राप्त निवान क्ष्यमं , द्राद्र क्ष्यका क्ष्यक्ष
- म्पूरित्या क्रिंग व्याका का गांग ।

 मार्ग्य क्रिंग क्रिंग के व्याका क्रिंग नाम्प्र क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग नाम्प्र क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग नाम्प्र क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग नाम्प्र क्रिंग नाम्प्र क्रिंग क्रिं

সাহমদ্র প্রাম্থিত ব্যক্ষি প্রমার।

সাহাতি বিদ্বার্থিত

সাহাত বিদ্বার্থিত

সাহাতি বিদ

का थात्रा हा। त्रकार्य ह्या क्ष्यक्षाहिल ही काल्वियी । भारतिकारि काजा वर प्रिमंद शिक्यियां क्षित्र अस्त्र

प्राज्य न्य क्रिस्मामं लयासाइ व्याप्ति क्रिस्मामं लयासाइ व्याप्ति क्रिस्मामं लयासाइ व्याप्ति क्रिस्मामं क्रिस

(च) स्थाना व्याप्त (च) स्थानिक वि) स्थान्या (च) स्थान्या

क्रामी याक्षेत्री गातं। क्रामा मेत् वास्त्र ५० - लविष्याहितं कालिखीय, क्यामान

स्मः (हा) त्राक्ष्यंत्र काष्ट्रीयं विश्वा व्याप्त्रीयं काष्ट्रीयं काष्ट्रीयं काष्ट्रीयं काष्ट्रीयं विश्वा व्याप्त्रीयं काष्ट्रीयं काष्ट्रीयं विश्वा व्याप्त्रीयं काष्ट्रीयं काष

- रियो भावीतियं कार्षा ् श्रिष्ट म्हिक्स कि) क्रमार्फ (क) लंबरहरियड्रों (क) स्वार्य कि कि कि Ams: (2) अ,गडाहिस्ट्रों.
 - क्रिका अन्यक्षक हास्याक प्रति हम्प्राव हास हम्प्राव अमितिविक्ति न्याति, वयक्षरित्रके हि द्वा मिकिक दे
- १०० इमंद उर्व हि- १९६ वायी थाय साक्रीय जार्याव (कार्य Ext record with s
 - कि भग्नकंत्र कि समयन्त्र ह्या ब्राक्रमं हो विक्रमंत কা? (ম) ব্যক্তি।
 - क्राकार. 1801 मार्थि दुसारा हुते हि हि हिर वार्ष हथां प्राकृति ल्याय वीक्षिक लायिकार कर्ष्य।
- (२६) राव्यक्ष्मक व्यक्तियं क्या नार्यका-金元的公司到到

- Ans: (21) 27. च्यान्याः राष्ट्रभंत्रक द्यात्मात्वं स्था वाम्बन-१ इप
- (२०) कर्षेत्र क्याया (यति अर्थाया क्रिये क्रिये (पूर्व मित्रो -्क) चान्हावं (क) प्रभावन्त्र (त) यश्चवन्त्र (क) क्राह्मिन्न (क)

Ans: (य) व्याणवर्षन् ।

tresalt to ac

(२०) त्यापक्ष यावा अधायां (क्या स्क्रा प्रमाप्त अवा र (क) ठवंतरर (क) कमर (छ) व्यक्त (छ) व्यागिरीय Ans: (श)-िष्यंक .

ব্যাক্তাম: জিন্যে মন্তব্যস্থিকেই - তিমারা বা মুঠ হিলে বা সাই হিলিও-अकी लिया मालमाव सयम छोएस विक् हामा लाउँ (अव) व्यासिक विकि मालमांच मुलाकि लासिक व्यासका व्यासकत्र यसि ।

(२०) (काम त्यस्त जामक्त मविष्य (वक्री? वि) भवत्मा १७ (१) भाषा (१) व्यक्तियो वि) (वि) ।

Ans: (2) (20) 3,

- ग्राज्याः (कास्य अवेक्येत्र अवेक्येत्याते प्रव (वाक्य इति क्यायक्षिते-भाषा लाग्ना (त्रिक चाठमां व्याप्ता कठ डार्थ नारं।

(३६) निह्न रमारिए क्राक्स्य कार्नि क्राने क्राने

का गांदा थाउंच का प्रेय जिंग हिंदे त्यो नक्क विन्य हिंद গ্রি সবগ্রন্তা ,

Frank de romania entropo

Charle T. She Ber

Aux: (क) जाहर श्राप्त ,

1 189- ADER 1812

ज्यानामः (ज्ञान च व्यान)वं कानकार्य घड़ि — (क) गारे हार्ष ने अर्थ लार्थ निवर क्राम्य नार्थमं हिति '

The first that the properties of the properties of the section of the properties

MEANING A 18 LESSON WE COME A PRINCE THE PARK THE DESIGNATION OF THE PRINCE OF THE PRI

- (अ) २० (छ) २००० (छ) २०००० (छ) २००० (छ) २०० (छ) २००० (छ) २०० (छ) २००० (छ) २०० (छ) २००० (छ) २०० (छ) २००० (छ) २०० (छ) २००० (छ) २०० (छ) २० (छ) २०० (छ) २०० (छ) २०० (छ) २०० (छ) २० (छ) २ (छ) २० (छ) २० (छ) २ (

Ans. (3) DIGITIST,

रामार्ड प्राप्तिक विश्वास्त्रक (सिट्ट क्रिस क्षेत्र करो ठि '

(2) (红龙 图的中 西 图形)
(A) > (1) > (1) (图) 8

Ans: (21) 2

ब्राज्यः शिद्धः प्रकार विकार । यनाः

- (२) तिः मत्रन वा निर्धाप्तर ह्यारिक
- (२) प्राण्यान्त्र रापिट्,
- (अपपूर्व भारत्यम्) (म) त्यार्ड क्रंबिसिक् यह व्यापण (अग्र क्रिक क्रंब माद
- (य) (सार्ट् (क) क्याकुर्ध (1) भगवन्त्र (2) व्यवक्रि

14601551-615

क्रि. क्यासहड्ड, यंगे। (र्ग) हैं स्रोण्ड्य क्ष्यरिष्ट (यह्यान्ट्री यंगे (क्यायह डे

<u>चुगः</u> (श) आहं भडेळ .

त्यान्य कुल्लान । महिल्लास किही महहेब कार्काङ सिह तक उपस्य गहेब कार्काः क्रियासम् इक्षि कार्यान क्षित्र क्रियान्य

(स) ठमांड छवत्य (द्य) भीराभ छवत्य (य) तुन प्रमाप्तय (त्रा भित्र प्रमाप्ति कार्यभाष्य छवत्य भावाह्व इतं)

Auri (2) Buis aball

न्यान्याः ज्याचिर्यके क्याक्ष्यः कारं कर्तिये न्या चर्ति क्यानः

हिए क्रेस्सिक देश्वास्त्र कार्यात्मक अविद्या यह क्रमुट्टि साम

का ही प्रविकास का प्राहे हा प्रविकास का बादा .

रमा हा) द्राव्ये स्मार्रेगालक ।

(2) प्राव्ये स्मार्रेगालक हा) प्राव्ये स्मार्रेगालक।

(2) प्राव्ये स्मार्रेगालक हा) प्राप्तिकाण्ड्या।

(या) म्यार्पेगालक प्रश्नेप्रह्मा, (क्रात्ये स्मार्थिक स्मार

The sum of the second of the second T = T of T

स्वांते कल वार्षकथ्य कर्क ५०० ५०० । स्मिर्प सिक्ष्यं क्राक्ष्य नक्ष्यं यक्ष्यं विक्ष्यं सिक्ष्यं स्वांति स्वांति सिक्ष्यं स्वांति ।

(m) 0/2 (2) DV2 (5) 2D (2) 4D

Ans: (57) 2D

 $\frac{\Delta y_{200}}{\chi_{1}} = \frac{\Delta D}{\alpha}, \quad \chi_{1} = \frac{\Delta D_{1}}{\alpha_{1}}, \quad \chi_{2} = \frac{\Delta D_{2}}{\alpha_{2}} = \frac{\Delta D_{2}}{2\alpha_{1}}$ $\frac{\Delta D_{1}}{\alpha_{1}} = \frac{\Delta D_{2}}{2\alpha_{1}}$ $\Rightarrow D_{2} = 2D_{1} = 2D$

(काशा (मक् ठ्यात्म) रिष) श्रिशिवं (यश्चिवंदारा देखिंदी प्राप्तिक (यहितंत्री)

क्रि) र्येष का त्याहा दे विद्यांत क्षा नवा- (व (व्याक्री)

(ब्र) भारेकिएउ(यु ७ एक ,

Ams: (क) न्यूर्य

क्राका. येत् ५७ कार्य या अधि वित वित्रेश क्रेन्य लक्ष्यी०-

(४५) ध्योभात्र कार्यावं (यात्र चिक्ति व्यक्ति (याकी-अखि ह्यांडेब कर्ष 5 कि प्राच्या हो उन्नेत हो भाषा हो भाषा है। वर्ष Ans (क) (वड्यूनी- . Densi. Sustain on @ 'E = DE & D (व ती छम भ र क ला (वड्यी)-माल नेकार विवाद सार्ट एक वा प्रवार नाम्येका कुछ ? किए का उन हों । का मिर्टि नए। Ams: (57) 0 च्याक्रा छंद्रभारित हेर्नु खिन्हेंच प्रभार प्राकृति कर्पे

(5) प्राप्त पकरी उत्रक्षात इरेरि विकृत मर्श्व विश्व मर्श्व विश्व मर्श्व विश्व कर्ण विश्

 $\frac{1}{\sqrt{2}} \sum_{x = 1}^{2} \frac{1}{\sqrt{2}} \times \Delta x = \frac{2\pi}{2} \times \frac{3\pi}{4} = \frac{3\pi}{2}.$

(ल्र) नम्पु त्याप्यक्षेत्र वर्षेत्री माश्चित त्याप्य कर्म न(०-(क) कंत्रक्ष्य क्रियार्थ (तर) वाक 121 है क्रियारिय उँक्रियार्थ (तर्)

ह्य) वयत्रमिवर लावाय्याव्ये जायत (ह) (करमिद्र भर्छ।

Ans: (2) ट्कामारेट मण,

न्याम्काः न्या भाष्टिक (यहा भाष्याक्षे क्षेत्रात्म्यं ग्रिक् प्रहा क्याप्रक अविनिद्धा

कि 1 पू कंत्रहर्शातिकों तथनी, तथा विशेष अधि अठ ऽ (4) 2×10-15 J (3) 2×10-16 J

(51) 2×10-17 J (3) 2×10-14 J.

Ans: (5) 2×10-15 J

 $= 2 \times 10^{15}$ $= 2 \times 10^{15}$ $= 2 \times 10^{15}$

(08) अर्थारेग्री वाहिर (ध्रिष्ठेय वहिराष्ट्र (शर्थाके राष्ट्रीकर्ण-(20 c = 1 (20 c = \ \frac{\xe_0 u_0}{\xe_0} \)

(20 c = \sqrt{\xe_0 u_0} \)

(5) C= 10. (9) C= M. 40

Ans, (2)) CZ \1/40 %

(श) त्रक्रो डाध्रे (द्य) त्रविश्वाहिक -यंश्वि (१) त्रक्री डाध्रे (ह) हमाल (क्रव्याहिक -यंश्वि (हक) त्रक्रियापि विषय (विश्वाहे विश्वाहे क्रियापि (१०)

Ans: (1) अवलाष्ट्रिक समित्र

क्रिक्श क्रि टाचांच क्रेमे काविष्महिव द्राच्ये त्राम्मा त्रमुखारं (यजांचे क्रिमे माड्ड यहांचर - हिलात नुहर्

(Gu) what focas train what fine (30) asino= $(2n+1)\frac{9}{2}$ (A) a sino= $(2n+1)\frac{9}{2}$ (B) d sino= $(2n+1)\frac{9}{2}$ (B) d sino= $(2n+1)\frac{9}{2}$ Ans: (A) a sino= $(2n+1)\frac{9}{2}$

pà (Mà sup $\frac{5n+1}{3}$ azino = $(5n+1)\frac{5}{3}$.

Show. Asino = μ

(७०) हेमर नव पश्चिमाम नकारिया, इति हिं थाबाउँ कार श्ली-क्रिका कार्याम कि निष्ठ है (क्राउं क्री) पर क्रिका कार्याम क्रिका क्रिका क्री-क्र क्रिका क्रिका क्री-क्र क्रिका क्रिका क्री-क्र क्रिका क्री-क्र क्रिका क्री-क्र

(हा) प्रक्षिड प्राम्थि मिष्टिं क्यों (04) द्रमं तंत्र हि-एडे वर्शिक्यार्थ येट व्यक्षात्वराष्ट्री द्रह्मेण काष्यांके भारती वहा बाह्या यात रे (2) 2 (3) 3/4 (2) 3/4 Aons. (20) A may a property to the state of the कारकारः दुक्केण (कार्याते कार्या विता वारम्यो = अपु वाकामभारत रेडि दुड़िया (ढाउं।डे व्या धना वाक्को = ह्य +1)५-1 (64) सिक्षं टकान च्याका बक्क हैं में पर पर्यात अपना हैं। (क) (विडि) (खार्च) (म) (चीम्रक (क्रम (क्र) विद्यानिक विचर) Ans: (20) (2021) 1 ((121)2 - 200 m, 2-5 al (w2-1)2 (८०) अत्नाम्यात त्काला नाइअ (होस्वा वर्षाकारे वर्षात्मा) 0.30 cm अपी क्षेत्राधिक क्षेत्राधिक क्षेत्र (a) 10-12 HZ (b) 1010 HZ (1012 Hz €) 1014 Hz

Ans. (51) 1012 HZ.

CS CamScanner

$$20^{-3}$$
 V= $f = \frac{10^{-3}}{3} = \frac{10^{-2}}{10^{-3}} = \frac{10^{-2}}{10^{-2}} = \frac{10^{-2}$

अभिकार न्यिक (कापाद अस्ति किया हुनके हुनके अभिका क्रिक हुनके

(9)
$$\vec{S} = \frac{1}{\mathcal{M}_0} (\vec{E} \cdot \vec{B}) (\vec{E} \cdot \vec{B})$$

Ans:
$$(\Xi)$$
 $\vec{S} = \frac{1}{M_6} (\vec{E} \times \vec{B})$

- (82) LASER 43 EN 317 317 317 317
 - (20) Light Augmentation by Stimulated Emission of Radiation
 - (2) Light Amplification by Stimulated Emission of Rays.
- (31) Light Amplification by stimulated Emission of Radiation.
- (2) Light Amplification by Stimulated Emission of Electromagnetic Radiation.
- Ans: (3) Light Amplification by stimulated Emission of Radiation.

ATTOM LASER PATAM - Light Amplification by
Stimulated Emicsion of Radiation. ZODAMA

Stimulated Emicsion of Radiation. ZODAMA

ATTOMICS ION (2015) (2

(श) म्याकारात्व (श) म्याकाराय्य (श्री (श) म्याकाराय्य (श्री (श) म्याकाराय (श्री (श) म्याकाराय (श्री (श्री (श) स्थाय (श्री (श्री

Ans: (2) चारेनिवि-र शर्ष.

(88) VM. E. - 23 STAT (MITT)

(A) [LT-2]

(A) [LT-2]

(A) [L-1-1]

(A) [L-1-1]

(A) [L-1-1]

1 14° 6° 72 2021 12 [[-11]

(Q) sub sub (y (2) old) y '0 -1 & q -10 = do.

All Nu. (Q) sus sum 8x = 4q

Auri (N) Mus reply.

(Q) (estri o oldis many (sub) fast (sub) fast (sub) multi as any (sub) fast (sub) Multi as any (sub) fast (sub) Multi reply (sub) fast (sub) fast

(क्रुन) कार्यप्रपक्षक लक्ष्यक्षिं (क्यान —

(क) यम त मार्थ सार्थिय मेंचेते एकप निष्टात कि कार्ष '

(म) करें ए वार्गां स्रिके प्रकेष रक्षत्रण भागांत्र क 56 वर्णां

कि पारि । प्रमुख सर्होत मिल्ली (कार्य कार्याण कार्याण

(छ) (कामीटी मण,

च्या है। यह व सम्पूर्व स्थान स्थान स्थान क्या क्या मिल्टी

स्थित क्रियेश्व क्रियेश्व : प्राया नुरम नह अस्पं प्रश्चित्र विकेश स्थित क्रियेश क्रियेश क्रियेश क्रियेश क्रियेश हिम्म क्रियेश क्रियेश

- वार विदेश त्यां कार्या कार्या विकास कार्या कार्या
- च्याकारः स्थान्यकं ठक्तर (त्यानुष्टि याजात्त) स्थान्ते स्थाने स्थाने

क्ष्म क्ष्म हुक्ष्मानुम् क्ष्मानुम् क्षानुम् क्षानुम् क्षानुम्

(81) FAM DIGO (ATT GAEDELT (1017 JOIN) DAZO 2017

(81) FAM DAZO 2017

(81) FAM DAZO 2017

(81) ADM DAZO 2017

Ans: (1) Infrarred.

लिविष्युद्ध क्षि त्राध्य कामाद्ध कर्ण - (माड्स कामाद्ध कर - (माड्स कामाद्ध कर्ण - (माड्स कामाद्ध कर्ण - (माड्स कामाद्ध कर - (

and the Brifits were strong to the ten of the ten of the final periods. The said

Throught the property of the party of the state of the st

(例) (2016日本 本知(1945 20) 10¹⁸Hz (知) 10²¹ Hz

(例) 10¹²Hz (例) 10¹⁵Hz (例) 10¹⁵Hz